RAF SECTOR

NEWS CLIP

18/12/19

TO SERVE HUMANITY WITH SENSITIVE POLICING

Amar Ujala ,Meerut (UP)

ट्रेनिंग म्यांमार के अफसरों का दल आरएएफ वाहिनी पहुंचा, दंगा नियंत्रण के प्रशिक्षण की नर्सरी बनेगी मेरठ की वाहिनी

दंगा नियंत्रण प्रबंधन में दक्ष है आरएएफ

मनु चौधरी

मेरठ। देश के अंदर और सीमा पर तैनात सभी फोर्सेस की अपनी-अपनी खासियत है। कोई देश की सीमाओं की सुरक्षा में दक्ष है तो किसी का आंतरिक सुरक्षा के मामलों में कोई सानी नहीं है। इन सभी फोर्सेस के बीच आरएएफ के जवानों की खूबी है उनका दंगा नियंत्रण प्रबंधन (क्राउड कंट्रोल मैनेजमेंट)। इसका उन्हें विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है।

रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) सीआरपीएफ की विंग है। सीआरपीएफ से कांस्टेबल, हेडकांस्टेबल, एसआई और इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारियों को चार साल के लिए आरएएफ में भेजा जाता है। इंस्पेक्टर रैंक से उच्च रैंक के अधिकारियों को तीन वर्ष के लिए आरएएफ में तैनाती दी जाती है। आरएएफ में निर्धारित समय पूरा करने के बाद उन्हें सीआरपीएफ की वाहिनी में भेज दिया जाता है। देश के चुनिंदा शहरों में आरएएफ की वाहिनी स्थापित हैं। इनमें से मेरठ भी एक है। 7 अक्तूबर 1992 को आरएएफ की 10 वाहिनी दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, भोपाल, अलीगढ़, मेरठ, हैदराबाद, जमशेदपुर, कोयंबटूर और इलाहाबाद में स्थापित की गईं। वर्तमान में देशभर में आरएएफ की 15 वाहिनी हैं। आरएएफ विदेशों तक में प्रशिक्षण और सेवा देती रही है।

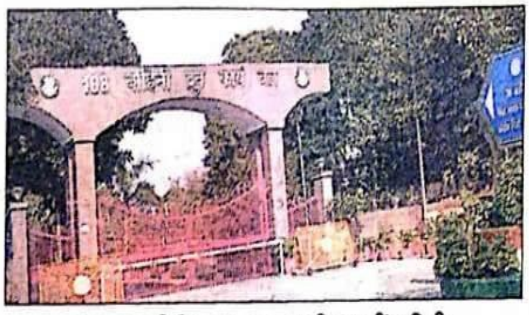

वेदव्यासपुरी स्थित आरएएफ की 108वीं वाहिनी।

दंगा नियंत्रण के लिए हैं पांच विकल्प

दंगे में क्या करना चाहिए। हालात को कैसे भांपना चाहिए। हिंसक भीड़ गोलियां चला रही है, तो उसे कैसे संभालना चाहिए। दंगे से निपटने के ये तमाम गुर सिर्फ आरएएफ में सिखाए जाते हैं। जो काम पुलिस और दूसरे अर्धसैनिक बल नहीं कर पाते उसको आरएएफ जवान पूरा करते हैं। यही कारण है कि देश में कहीं भी दंगा होता है तो सबसे पहले आरएएफ को बुलाया जाता है। क्राउड कंट्रोल मैनेजमेंट के लिए आरएएफ के पास वज्र वाहन, बुलेट प्रूफ वाहन, वाटर कैनन वाहन मुख्य हैं। आरएएफ पांच विकल्प लेकर चलती है। पहला विकल्प चेतावनी। दूसरा विकल्प आंसू गैस के गोले। इसके बाद भी भीड़ नहीं हटती है तो तीसरा विकल्प लाठीचार्ज का होता है। चौथे विकल्प में तौर पर आरएएफ वाटर कैनन का प्रयोग करती है। आखिरी विकल्प है फायरिंग।

फायरिंग की विशेष ट्रेनिंग : आरएएफ को हवाई फायरिंग के अलावा भीड़ को 135 मीटर की दूरी से लो एंगिल पर गोली मारने का खास प्रशिक्षण दिया जाता है। इस एंगिल पर गोली चलाने पर उपद्रवी को घुटने के नीचे ही पैर में गोली लगती है।

म्यांमार के अधिकारी पहुंचे मेरठ

म्यांमार के पुलिस अधिकारी दंगों का इतिहास पढ़ने सोमवार को 108 वीं वाहिनी पहुंचे। 17 से 24 दिसंबर तक विदेश के सात अधिकारियों की टीम 108वीं वाहिनी आरएएफ में प्रशिक्षण लेगी। आरएएफ वाहिनी में आरएएफ एकेडमी ऑफ पब्लिक एकेडमी (रैपो) में इन्हें प्रशिक्षण के साथ अन्य अधिकारी लेक्चर भी देंगे। सोमवार शाम को विदेशी मेहमान सुभारती विवि भी पहुंचे। इस दौरान आरएएफ के कमांडेंट शैलेंद्र कुमार, डिप्टी कमांडेंट शिल्पा कुमार, असिस्टेंट कमांडेंट गौरव कुमार, सोनिया और अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। मेरठ की यह वाहिनी विदेशी मेहमानों के प्रशिक्षण की नर्सरी बनने जा रही है। जल्द ही दूसरे देशों के चयनित अधिकारी यहां आकर प्रशिक्षण लेंगे।

एडीजी हेडक्वार्टर संजय अरोड़ा

आईजी आरएएफ अरुण कुमार

आईजी आरएएफ मेरठ पहुंचे

सोमवार को आईजी आरएएफ अरुण कुमार भी मेरठ पहुंचे। वहीं एडीजी हेडक्वार्टर संजय अरोड़ा मंगलवार को आ सकते हैं। सीआरपीएफ के डीजी राजीव राय भटनागर को भी आना था, लेकिन वह किन्हीं कारणों से नहीं आ पाए।

आरएएफ कमांडेंट शैलेंद्र कुमार

Patrika News, Mau (UP)

सीएए को लेकर मऊ में हिंसा मामला

28 गिरफ्तार, प्रशासन ने कहा, उपद्रवी बख्शे नहीं जाएंगे

आजमगढ़ के कमिश्नर कनक त्रिपाठी

डीआईजी जे रविन्द्र गौड ने जाना शहर के हालात

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

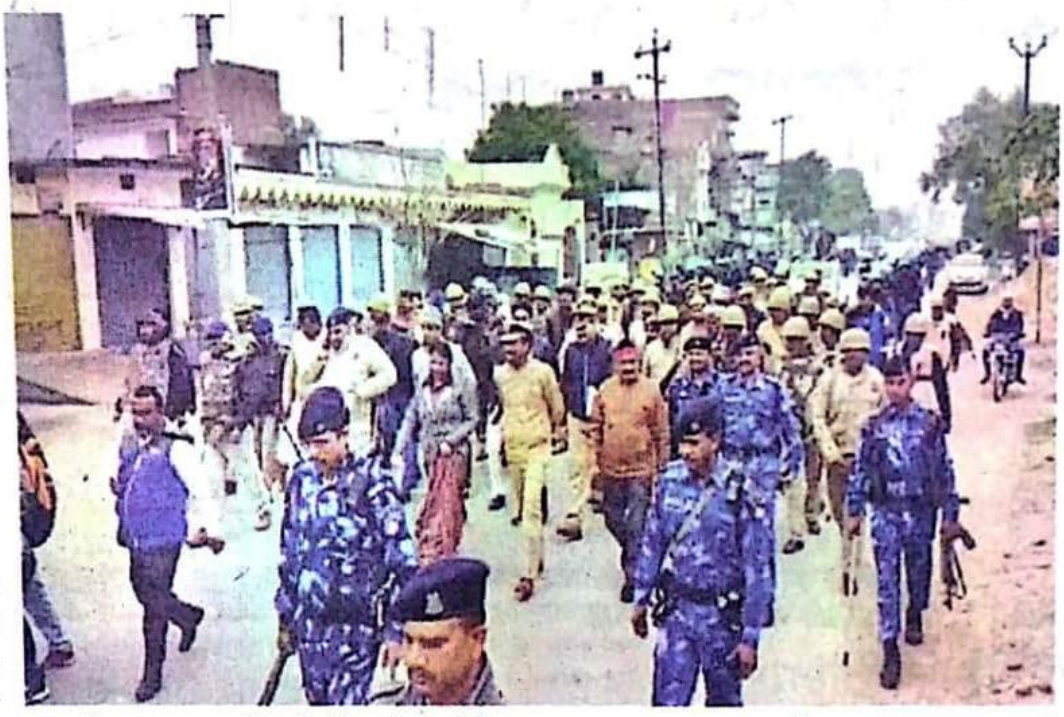

मऊ. यूपी के मऊ में सोमवार की शाम एनआरसी और सीएए को लेकर उपद्रवियों ने जमकरा बवाल किया था। पुलिस पर पथराव करते हुए 12 बाइकें फूंक दी थी। इसके अलावा दक्षिण टोला थाने की दीवार तोडआगजनी की घटना को अंजाम दिया गया था। उपद्रव को शान्त करने के लिए पुलिस द्वारा लाठी चार्ज व उपद्रवियों पर आशू गैंस के गोले छोडे गये। जिसके बाद कही जा कर मामला प्रशासन के नियंत्रण में आया। जिसके बाद प्रशासन द्वारा धारा 144 लागू कर इन्टरनेट सेवा को ठप किया गया।

मंगलवार की सुबह से ही हालात सामान्य हैं। आजमगढ मंडल की कमिश्नर कनक त्रिपाठी और डीआईजी जे रविन्द्र गौडघटना का जायजा लेने मऊ पहुंचे। इस दौरान नगर के मौलवियों के साथ बैठक किया। साथ ही जिलाधिकारी ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी और पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य के साथ भारी पुलिस फोर्स, एक कम्पनी आरएएफ और दो कम्पनी पीएससी के साथ रुट मार्च कर शान्ति व्यवस्था बनाये रखने की अपील किया।

बतातें चले कि रुट मार्च के दौरान पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने बताया कि पुलिस ने अभी 28 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही 500 सौ फोटो और 60 वीडियों के आधार पर उपद्रव करने वाले उपद्रवियों की तलाश की जा रही है। सभी को शान्ति व्यवस्था बनाये रखने की अपील की जा रही है। जनपद की पुलिस फोर्स के साथ ही एक कम्पनी आरएएफ और दो कम्पनी पीएससी सुरक्षा व्यवस्था में तैनात है। अति संवेदनशील स्थानों पर आरएएफ और पीएससी के जवान लगाये गये है। इसके साथ ही पुलिस फोर्स लगातार चक्र मण कर रही है।

जिलाधिकारी ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी ने बताया की हालात पूरी तरह सामान्य हैं। सारी स्थिति प्रशासन के नियंत्रण में है। अफवाह फैलाने वालों पर कडी नजर रखी जा रही है। जो भी शान्ति व्यवस्था में खलल डालने की कोशिश करेगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

वहीं कमिश्नर और डीआईजी के साथ बैठक करने के बाद मौलवी अवैदुल्ला ने बताया कि हम लोग पूरी तरह से प्रशासन के साथ हैं। उपद्रव करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जानी चाहिए। क्योकि अगर सोमवार की शाम प्रशासन ने तत्काल कार्यवाही नहीं किया होता तो पूरा शहर उपद्रवियों के कब्जे में होता। इसलिए इस बैठक के बाद सभी अपने मुहल्लों में शांति व्यवस्था कायम करने में प्रशासन की मदद करने की अपील करेगा। प्रशासन की अभी तक की कार्यवाही काबिले तारिफ है। हम सभी सन्तुष्ट हैं।

फिलहाल मऊ उपद्रव में शासन स्तर पर बडी कार्यवाही की गयी है। आजमगढ़ मंडल के डीआईजी मनोज तिवारी को हटा दिया गया है। उनकी जगह डीआईजी जे रविन्द्र गौड ने कमान संभालते हुए हैं। अग्रिम आदेश तक स्कूल और कालेज बंद रहेंगे। इंटरनेट सेवा भी ठप रहेगी।

Punjab Kesri (Delhi)

पुलिस नहीं दिखाती साहस तो दो थानों में भी लगा देते आग

कुणाल कश्यप

पूर्वी दिल्ली, (पंजाब केसरी): जाफराबाद में हुए इस बवाल के अंदर एक बार फिर दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों का साहस देखने को मिला। दरअसल जब पुलिस पर हर तरफ से हमला हो रहा था, उस दौरान उत्तर-पूर्वी जिले का सीलमपुर व जाफराबाद थाना उपद्रवियों से घिर चुका था। ऐसे में पुलिस ने हर ओर से हो रहे हमले के बीच जाकर भीड़ को खदेड़ना शुरू किया। थानों पर मौजूद पुलिसकर्मियों का कहना था कि समय रहते मदद नहीं मिलती तो उपद्रवी थाने को भी आग लगा देते। समय रहते मदद मिली इसी कारण उपद्रवियों को खदेड़ा जा सका। यही कारण है कि ज्वाइंट सीपी ईस्टर्न रेंज आलोक कुमार ने भी बद से बदतर हालात पर काबू पा लेने पर वहां मौजूद रहे पुलिसकर्मियों की सराहना की। उन्होंने बताया कि एडिशनल डीसीपी आरपी मीणा ने इलाके के लोगों से बातचीत और इलाके में गश्त कर मामले को शांत कराया। इसके अलावा वहां मौजूद हर पुलिसकर्मी व जवान ने अपना काम अच्छी तरह किया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, एक-दो बार भीड़ ने पुलिस व अर्धसैनिक बलों को वापस जीटी रोड की ओर खदेड़ दिया था। इस बीच सीलमपुर और जाफराबद थाने के बाहर बड़ी संख्या में उपद्रवी जमा हो गए थे। हालात बेकाबू होते जा रहे थे। ऐसे में तुरंत थानों से अतिरिक्त पुलिस बल की मांग की। हालात भांपते हुए तुरंत जीटी रोड के पास खड़ी अतिरिक्त पुलिस फोर्स को थानों की ओर जाने का आदेश दिया गया। अतिरिक्त पुलिस फोर्स की मदद से ही भीड़ को खदेड़ा जा सका। इस दौरान वहां मौजूद पुलिसकर्मी ये कहते नजर आए कि आज सच में जाफराबाद और सीलमपुर थाना बच गया।

ड्रोन की फुटेज से होगी उपद्रवियों की पहचान

पुलिस के मुताबिक, उपद्रव शुरू होने से पहले ही जाफराबद रोड पर तीन ड्रोन कैमरों से हालात पर नजर रखी जा रही थी। ऐसा करने के पीछे यही उद्देश्य था कि अगर कुछ बवाल हो तो प्रदर्शनकारियों को पहचानने में मदद मिल सके। अब बवाल में कौन-कौन से लोग शामिल हैं और हंगामे करने के लिए भीड़ को भड़काने में कौन-कौन से लोग शामिल थे। इसका खुलासा उन ड्रोन की फुटेज से होगा। पुलिस उपद्रवियों की पहचान कर उन सभी के खिलाफ कार्रवाई करेगी।

अर्धसैनिक बल के महिला दस्ते ने भी दिखाया दम

इस पूरे बवाल में अर्धसैनिक बल के महिला जवानों ने भी पूरा दम दिखाया। दरअसल दस्ते की महिलाएं हर स्थिति से निपटने के लिए सड़क पर पूरी तैयार खड़ी दिखीं। इस दस्ते को भी इलाके में लगाए गए बैरिकेड के आसपास तैनात किया गया था। वहीं दिल्ली पुलिस की महिला दस्ते को भी इलाके में ऐहतियातन बुलाया गया।

Times of India , Guwahati (Assam)

Rapid Action Force personnel keep vigil as activists of All Assam Students' Union, along with members of various organisations, participate in Satyagraha procession demanding withdrawal of the CAA in Guwahati on Tuesday PTI

Dainik bhaskar (Delhi)

हिंसा पर सुप्रीम कोर्ट सख्त • जामिया हिंसा की जांच के लिए आयोग गठित करने से इनकार

कोई पथराव करे, बसें फूंके और हम पुलिस को रोकें, ये कैसे हो सकता है: सुप्रीम कोर्ट

सरकारी संपत्ति तोड़ने वालों को सीधे गोली मारो: अंगाड़ी

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

हिंसक प्रदर्शनों के बाद जामिया और अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में हुई पुलिस कार्रवाई में हस्तक्षेप से मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया। साथ ही याचिकाकर्ताओं को हाई कोर्ट जाने की नसीहत देते हुए चीफ जस्टिस एसए बोबडे ने कहा, 'अगर कोई कानून तोड़ता है, पथराव करता है या बसें फूंकता है तो पुलिस क्या करेगी? हम उसे केस दर्ज करने से कैसे रोक सकते हैं?' रेल राज्य मंत्री सुरेश अंगाड़ी ने जिला प्रशासन और रेल अधिकारियों को निर्देश दिया कि कोई भी रेलवे समेत किसी सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाता दिखे तो उसे वहीं पर गोली मार दें।

जामिया हिंसा मामले में पूर्व कांग्रेस विधायक नामजद

एफआईआर में जामिया स्टूडेंट लीडर्स के भी नाम

दिल्ली पुलिस ने जिन 10 लोगों को गिरफ्तार किया है उनमें मोहम्मद हनीफ, समीर अहमद, शरीफ ताज मोहम्मद, दानिश जफर, मोहम्मद दिलशाद, जुम्मन, अनवर, अमाल हुसैन, युसूफ खान, मोहम्मद दानिश शामिल हैं। पुलिस की एफआईआर में ओखला से कांग्रेस के पूर्व विधायक आसिफ खान और जामिया यूनिवर्सिटी के कुछ स्टूडेंट्स लीडर्स पर भी भीड़ को उकसाने के मामले दर्ज किए गए हैं।

सीलमपुर और जाफराबाद से भास्कर ग्राउंड रिपोर्ट...पेज 4

सीलमपुर में पथराव में 22 लोग घायल हुए हैं। 12 पुलिसकर्मी और आरएएफ के 3 जवान भी घायल हैं। 5 उपद्रवी हिरासत में लिए गए हैं।

एएमयू और आसपास के इलाकों में हुई हिंसा में पुलिस ने 8 छात्रों सहित 26 को गिरफ्तार किया

मऊ में हिंसा के मामले में 19 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। केरल में भी 200 उपद्रवी हिरासत में।

पूर्वोत्तर में हालात तेजी से सामान्य होने की ओर। असम कर्फ्यू में 14 घंटे की ढील दी गई।

NavBharat Times (Delhi)

- पुलिस पर पथराव, भीड़ ने ईंट-पत्थरों के साथ शराब और बीयर की बोतलों से भी हमला किया
- पहले डीटीसी बस पर पथराव किया, इसके बाद यूपी नंबर की एक बस को निशाना बनाया गया
- भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया और आंसू गैस के गोले दागे
- रोड नंबर 66 पर बनी दो पुलिस बूथ को भीड़ ने आग के हवाले किया, बाइक्स में भी आग लगाई

प्रदर्शनकारी शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे थे, पथराव हुआ और प्रदर्शन हिंसक हो गया, लोग और पुलिसवाले बुरी तरह जख्मी हो गए

Photos of Deployment/ Fam-Ex Of RAF

सी0आर0पी0एफ0 सदा अजेय, भारत माता की जय।